लालगढ़ क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का काम चार महीने से बंद

830 मीटर लंबे ब्रिज में अभी भी करीब 300 मीटर काम बाकी

बीकानेर, (कासं)। लालगढ़ क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज का काम चार महीने से बंद है। वो भी तब जब ब्रिज का काम पूरा होने से दो साल देरी से चल रहा है। रोज करीब 50 हजार लोगों को यहां से निकलने राहत मिलती लेकिन चार साल से लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। 83 करोड़ की लागत से 830 मीटर लंबे ब्रिज में अभी भी करीब 300 मीटर काम बाकी है।

2017 के आसपास ओवरब्रिज का काम शुरू हुआ था। पूरा रास्ता बंद है। ये वो रास्ता है जहां पूगल और खाजूवाला से आने वाले वाहन मंडी तक आते हैं या जोधुपर-जयपुर बाईपास और श्रीगंगानगर रोड़ की तरह वाहनों को जाने में आसानी होती थी। इसके अलावा रामपुरा, मुक्ताप्रसाद की और जाने का आसान रास्ता था। इसी को देखते हुए 83 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज बनाने की योजना बनी। 2020 दिसंबर तक इसे पूरा करना था। 2022 भी खत्म होने वाला है। अब ठेकेदार ने काम पूरी तरह बंद कर दिया। आने जाने वालों को चक्कर काटकर रामपुरा की ओर जाना पड़ रहा है।

ब्रिज ना बनने के कारण इस रोड़ की पूरी सड़क जर्जर हो चुकी है। पैदल चलना भी दूभर हो गया। यूं कहें लालगढ़ रामपुरा वालों के लिए रास्ता ही अब गजनेर रोड होकर आने जाने के लिए बचा है जबकि इससे पहले ये रास्ता सबसे सुगम था। आरएसआरडीसी और ठेकेदार के बीच चल रही खींचतान को देखते हुए 2023 में भी पूरा ब्रिज तैयार हो जाए तो गनीमत होगी। कलेक्टर-संभागीय आयुक्त भले ही तमाम जगहों का मौका मुआयना करते हों पर इस ब्रिज को लेकर अब तक कोई एक्शन नहीं लिया गया है।

- **83 करोड़ की लागत से ओवरब्रिज बनाने की योजना बनी थी**

आरओबी को पूरा करने के लिए डेड लाइन दिसंबर 2020 थी लेकिन 2019 में आए कोरोना के कारण श्रमिक और मशीनें नहीं मिली। उस वक्त सरकार ने भी तमाम निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा था ताकि कोरोना ना फैले। उसके बाद दूसरी लहर आई लेकिन तब काम शुरू कर दिया था। तब रेलवे की भी अनुमति नहीं थी लेकिन बाद में मिल गई। 830 मीटर लंबे ब्रिज का करीब 500 मीटर हिस्सा ही तैयार हो पाया है। रेलवे पोर्सन पूरा बाकी है। इसे पूरा करने के लिए आरएसआरडीसी फर्म को कई पत्र लिख चुका है लेकिन ठेकेदार पर जूं तक नहीं रेंग रही। इन सबका खामियाजा शहरवासी भुगत रहे हैं।

कोरोना के बाद जब ओवरब्रिज निर्माण का समय पूरा हो गया तो ठेकेदार ने काम में ढिलाई करनी शुरू कर दी। तर्क दिया कि जब टेंडर हुआ था तब दरें कुछ और थी और अब महंगाई बढ़ गई इसलिए पुरानी दरों पर काम संभव नहीं है। इसीलिए अब तक ये काम बंद हैं। आरएसआरडीसी दरों में संशोधन करना नहीं चाहती। वो अपनी शर्तो पर अड़ी है। ऐसे में दोनों के बीच चल रही खींचतान की वजह से काम रुका हुआ है। हालांकि दिसंबर तक ठेकेदार को काम शुरू करने के लिए अंतिम डेड लाइन दी हुई थी। ठेकेदार पर नोटिस का कोई असर नहीं हुआ।

24 सितंबर को ओवरब्रिज का एक हिस्से की शटरिंग ढह गई थी। आरकेबी रेनू इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लिमिटेड ने पुलिस में केस दर्ज कराया था कि मौके से गुजर रही एक डंपर की टक्कर से शटरिंग सरक गई थी लेकिन ये बात किसी के गले नहीं उतर रही। डंपर का कोई नुकसान नहीं हुआ और वो मौके से फरार हो गई लेकिन इतनी मजबूत शटरिंग सरक गई। जांच पुलिस के पास पहुंची लेकिन उसकी भी रिपोर्ट अभी तक फाइनल नहीं हुई ना अभी तक पुलिस के पास ऐसे कोई सबूत पहुंचे। सवाल घटिया सामग्री उपयोग होने का लग रहा है।

सुरेन्द्र सिंह राठौड़, प्रोजेक्ट डायरेक्टर आरएसआरडीसी का कहना है कि ठेकेदार ने काम रोका हुआ है। कुछ लिटिगेशन का मामला है। वह कुछ दरों में संशोधित चाहता है। हमने दिसंबर तक काम शुरू करने के लिए नोटिस दिया है। ये अंतिम मौका है फर्म के पास। अगर अब काम शुरू नहीं करता तो जनवरी में हम नए सिरे से टेंडर लगाएंगे। शहर तकलीफ में हैं मैं समझता हूं पर ये पीड़ा फर्म नहीं महसूस करेगी।

सादुलपुर क्षेत्र में दो दिनों से बादलों की आवाजाही

मावठ होने पर रबी की फसलों में पैदावार बढ़ने की उम्मीद

राजगढ़ क्षेत्र के गांवों में आसमान में बादलों की आवाजाही रही।

सादुलपुर, (निसं)। मौसम में लगातार उतार-चढाव जारी रहने के कारण कभी कोहरा कभी उत्तरी हवाओं के कारण अत्यधिक ठंड तथा दो दिनों से आसमान बादलों के ढका रहने के कारण सर्दी का असर कुछ कम रहा। साथ ही हवा की गति भी कम रही। हांलाकि बुधवार देर रात्रि से ही मौसम में बदलाव जारी है। गुरूवार अल सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे एवं अलसुबह नौ बजे हल्की बूंदें गिरने लगी।

- **दो दिन से आसमान बादलों के ढका रहने से सर्दी कम रही**

इस दौरान गांव भाकरां, हरपालु सावलं, खैरू बडी, राघा बडी व जीराम बास आदि गांवों सहित तहसील राजगढ क्षेत्र में बादलवाही के चलते हल्की नॉर्मल बूंदें गिरी। मौसम पूरे दिन हवा बंद रहने से मुख्यता शुष्क रहा। बादलवाही एवं मौसम शुष्क रहने से लोगों को सर्दी एवं कोहरे से राहत मिली। वहीं मावठ का इंतजार किए हुए लोगों को बादल वाही को एक सुकून के रूप में देखा और कहा कि पौष महीने में पश्चिमी विक्षोभ के कारण अगर मावठ हो जाती है तो गेहूं, सरसों, जौ, चना सहित रबी की फसलों में भरपूर पैदावार होने की उम्मीद बढ जाती है।

वहीं शेखावाटी में गुरुवार को मौसम ने कई रंग दिखाए। यहां मध्य रात्रि को ही कोहरे के बादल छाने लगे। सवेरे तक गहरा कोहरा छा गया। इस दौरान कंपकंपा देने वाली सर्दी रही।

दस बजे के बाद सूर्य देवता ने दर्शन दिए। उसके बाद मौसम खुल गया। दोपहर होने तक यहां आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू हो गई। साथ ही हल्की हवा चलने लगी। ऐसे में सर्दी से बचने के लिए लोग दिनभर गर्म वस्त्रों से लदे रहे।

अनूपगढ़ में मावठ के बाद गिरा पारा

अनूपगढ़, (कासं)। लगातार चार दिन तक घना कोहरा छाने के बाद गुरूवार सुबह इलाके में बादल छाने का असर मौसम पर दिखाई दिया। आज सुबह सर्दी के मौसम की पहली मावठ हुई जो फसलों के लिए काफी लाभदायक होगी। दो दिन सूरज के निकलने के कारण तापमान में बढ़ोतरी के बाद एक बार फिर दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। हालांकि तेज हवाओं के नहीं चलने से सर्दी का अहसास ज्यादा नहीं हो रहा।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम विभाग ने 28 व 29 दिसम्बर को बूंदाबांदी के साथ बारिश की संभावना भी व्यक्त कर रखी थी। यह मावठ रबी फसलों के लिए अमृत के समान है। खेतों में सरसों और चना की बुवाई कुछ समय पहले ही हुई है। अब फसलों को बढ़वार के लिए सिंचाई की आवश्यकता है। ऐसे में बारिश होने से खासकर असिंचित और ट्यूबवेल से सिंचाई वाली फसलों को बड़ा फायदा होगा। किसानों ने बताया कि सर्दी बढ़ चुकी है और यह मौसम खरीफ की फसल को पकने में सहायक है अगर मावठ होती है तो अन्नदाताओं की अच्छी ऊपज होने की उम्मीदों को पंख लग सकते हैं। किसानों ने बताया कि आज जो क्षेत्र में मावठ गिरी है उसे किसानों के चेहरे खिल गए हैं।

इस समय रवि का सीजन चल रहा है रवि की फसलों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। खासतौर से गेहूं की फसल के लिए समय पर सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है। राजस्थान सहित अन्य प्रदेशों में सरसों की फसल के लिए जहां पानी की आवश्यकता पूरी होगी वही चने की फसल को भी बड़ी राहत मिलेगी।

प्रखर परमार हत्या प्रकरण : मास्टरमाइंड सहित तीन गिरफ्तार

धौलपुर (निस)। धौलपुर जिले के बाड़ी विधानसभा के भाजपा नेता व मध्यप्रदेश के ग्वालियर के जाने माले कॉलेज संचालक प्रशांत परमार के बेटे प्रखर परमार का अपहरण के बाद हत्या करने वाले मास्टरमाइंड सहित 3 आरोपियों को ग्वालियर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं गुरुवार को मृतक प्रखर के परिजनों और छत्रिय समाज सहित अन्य लोगों ने ग्वालियर में पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कलेक्ट्रट रोड पर चक्का जाम कर दिया।

इस दौरान आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, सख्त से सख्त सजा और उनके मकानों पर बुलडोजर चलाने की मांग प्रशासन से की। करीब 3 घंटे से अधिक चले चक्का जाम को प्रशासन ने आक्रोशित परिजनों को आश्वासन देकर खुलवाया। प्रखर परमार की हत्या की जानकारी लगते ही क्षित्रय समाज के लोग गुरुवार को सिटी सेंटर स्थित सत्यम टावर स्थित प्रखर के घर पहुंचे और पुलिस के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कलेक्ट्रेट रोड पर चक्का जाम कर दिया। आक्रोशित छतरी समाज के लोगों और परिजनों ने प्रशासन के सामने मांग की कि हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलाया जाए।

- **लोगों ने ग्वालियर में पुलिस के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कलेक्ट्रट रोड पर चक्का जाम किया**

तीन घंटे से अधिक चले चक्का जाम को खुलवाने के लिए प्रशासन ने मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया तब कहीं जाकर चक्का जाम खुल सका। आपको बता दें कि प्रखर परमार हत्याकांड का मुख्य आरोपी करन वर्मा पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद हत्या की बात को तो स्वीकर करता रहा, लेकिन प्रखर की बॉडी कहां फैंकी है, उसको लेकर बार-बार गुमराह करता रहा। आखिरकार पुलिस की पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने पुलिस के सामने खुलासा किया कि उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर प्रखर की रस्सी से गला दबाकर हत्या की, फिर गोली मारी, फिर उसकी पहचान छुपाने के लिए झांसी ले जाकर उसकी लाश को जलाया। जहां बुधवार देर रात पुलिस ने झांसी के ठााफ लैंड चौकी के पास झाड़ियों से प्रखर परमार की अधजली हुई लाश बरामद कर ली। पुलिस ने हत्याकांड में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड के पीछे पैसे का लेन देन बताया जा रहा है।

प्रखर परमार की हत्या के बाद कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम प्रक्रिया में काफी समय लग गया। जिस कारण गुरुवार दोपहर बाद ही उनकी बॉडी परिजनों को मिल सकी। इसके बाद प्रखर हॉस्पिटल एंड कॉलेज बरुआ ग्वालियर बायपास ग्वालियर में शाम को उनका अंतिम संस्कार किया गया।

'जेईई-मेन में आवेदन नहीं करने पर नहीं मिल पाएगी आईआईटी'

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन 2023 की आवेदन प्रक्रिया जारी है। अब तक करीब 4.15 लाख विद्यार्थी आवेदन कर चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 12 जनवरी है। परीक्षा 24 से 31 जनवरी के मध्य 14 शिफ्टों में होगी। इस वर्ष परीक्षा के लिए हो रहे आवेदन की गति गत वर्षों की अपेक्षा बहुत धीमी है।

अभी तक इस परीक्षा में शामिल होने वाले संभावित विद्यार्थियों से आधे विद्यार्थियों ने भी आवेदन नहीं किए हैं। इसकी बड़ी वजह बोर्ड पात्रता के असमंजस के रूप में सामने आ रही है। विद्यार्थी 75 प्रतिशत बोर्ड प्राप्तांकों के आधार पर ही एनआईटी-ट्रिपलआईटी में प्रवेश को लेकर परेशान हैं। इस आधार पर जेईई मेन के लिए आवेदन करने के बारे में विचार कर रहे हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने कहा कि बार-बार नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा यह स्पष्ट किया जा रहा है कि 75 प्रतिशत बोर्ड प्राप्तांकों का मामला परीक्षा के बाद एनआईटी-ट्रिपलआईटी में प्रवेश के लिए ही है। जेईई-मेन परीक्षा देने के लिए बोर्ड पात्रता की कोई अनिवार्यता नहीं है। ऐसे में ये सलाह दी जाती है कि परीक्षा में हर योग्य विद्यार्थी शामिल हो। जेईई-मेन परीक्षा देने की योग्यता बोर्ड में 12वीं पास होना ही है। आहूजा ने बताया कि आईआईटी में प्रवेश लेने के लिए बोर्ड पात्रता 75 एवं 65 प्रतिशत से अतिरिक्त संबंधित बोर्ड में कैटेगरी अनुसार टॉप-20 पर्सेन्टाइल में क्वालीफाई होना भी है। परन्तु स्टेट बोर्ड्स के हजारों विद्यार्थी यदि इसी असमंजस के चलते परीक्षा में शामिल नहीं होते हैं तो वो टॉप-20 पर्सेन्टाइल में क्वालीफाई होने और जेईई-एडवांस्ड के जरिए आईआईटी में प्रवेश के योग्य होने के बावजूद भी आईआईटी की पढ़ाई से वंचित रह सकते हैं।

नगर पालिका की रोक के बाद भी सड़क सीमा में निर्माण कार्य चालू

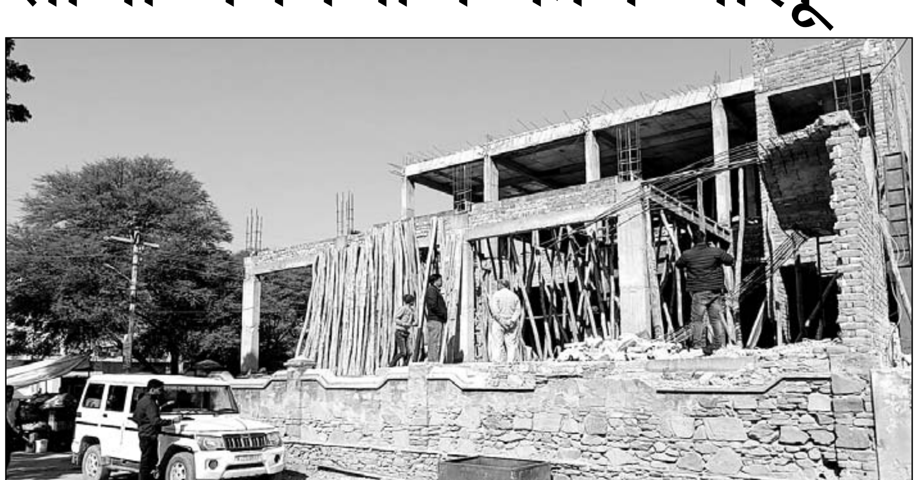

निर्माणकर्ता द्वारा मुख्य सड़क की जगह को अतिक्रमण कर कब्जा किया जा रहा है।

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना के छावनी में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष केशव देव मोदी की कोठी के सामने मुख्य सड़क पर बिना निर्माण स्वीकृति के निर्माण कार्य धड़ल्ले से हो रहा है। 28 दिसंबर को अतिक्रमण प्रभारी ने मास्टर प्लान की अवहेलना करने पर बिना निर्माण स्वीकृति रोड सीमा में ही कार्य कर रहे निर्माणकर्ता को पाबंद किया गया था, लेकिन इसके बाद भी अवैध निर्माणकर्ता द्वारा मौके पर निर्माण कार्य चालू कर रखा है। निर्माणकर्ता द्वारा मुख्य सड़क की जगह को अतिक्रमण कर कब्जा किया जा रहा है।

- **अतिक्रमण प्रभारी ने मास्टर प्लान की अवहेलना करने पर पाबंद किया था**

पूर्व में भी नगर पालिका प्रशासन द्वारा उक्त सड़क सीमा में निर्माण कर रहे व्यक्ति को पाबंद किया गया था जिसके चलते मौके पर निर्माण कार्य बंद था लेकिन विगत 2 दिन से सड़क सीमा में अवैध निर्माण करने वाले के द्वारा निर्माण कार्य चालू कर दिया गया है। पूर्व में भी स्थानीय लोगों द्वारा निर्माण को लेकर नगर पालिका प्रशासन को अवगत कराया गया था। मुख्य सड़क की जगह को अतिक्रमण मुक्त करवाते हुए अवैध निर्माणकर्ता के खिलाफ कार्यवाही कर सड़क सीमा को सुरक्षित करवाने की मांग की थी। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार नगरपालिका के पूर्व जनप्रतिनिधि द्वारा अवैध निर्माण करता का समर्थन किया जा रहा है जिसके चलते नगर पालिका प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों ने अपनी आंखें मूंद रखी हैं।

अतिक्रमण प्रभारी सत्यपाल ने बताया कि मौके पर जाकर अतिक्रमण करने वाले निर्माणकर्ता को पाबंद किया गया है। आगे की कार्रवाई को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है। नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

अधिशाषी अधिकारी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि सड़क सीमा में अगर निर्माणकर्ता द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एनिकट में डूबा युवक

उदयपुर, (निसं)। मवेशियों को चराने ले गए युवक की एनिकट में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बैकरिया थानाक्षैत्र पीपला गांव निवासी सोनाराम (22) पुत्र मनराराम की एनिकट में डूबने से मौत हो गई। बुधवार दोपहर में वह बैलों को पानी पिलाने के लिए एनिकट पर गया था। जहां पांव फिसलने पर गिरने से पानी में डूब गया। इसको देख ग्रामीणों ने बाहर निकाल बैकरिया चिकित्सालय पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई गेहरीलाल ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

हादसे में एक की मौत, दो घायल

डूंगरपुर। सदर थाना क्षेत्र में बीती रात दो बाईकों की आमने सामने जबरदस्त भिंडत हुई। भिड़ंत इतनी भयंकर हुई कि दुर्घटना में एक युवक मौत हो गई वही दो अन्य युवक घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर सदर थाना पुलिस पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल में पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार माथूगामडा रेलड़ा निवासी सचिन पुत्र हीरालाल कटारा अपने साथी सुनील के साथ बाइक पर सवार कोटना से डूंगरपुर की ओर जा रहे थे।

रावतभाटा क्षेत्र में पीले नजर आने लगे खेत

उपखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में खेतों में सरसों की फसल लहराने लगी है

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा उपखंड क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में सरसों से इन दिनों खेत पीली आभा लिए नजर आने लगे हैं। मौसम के बदलते मिजाज से क्षेत्र की हजारों बीघा कृषि भूमि इन दिनों पीली चुनरिया ओढ चुकी है।

इन दिनों खेत में सरसों की फसल लहलहा रही है। चहुंओर पीली चादर से नजारे मनमोहक बने हुए है। अब तक सर्दी की कमी से बेनूर हो रही रबी की फसलों को इन दिनों बढ़ी ठंडक ने नया जीवन दिया है। सर्दी के साथ सुबह के समय छाया हल्का कोहरा व ओस की बूंदों से फसलों का खोया हुआ नूर लौटने लगा है।

उपखण्ड क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में इन दिनों खेतों में सरसों एवं गेंहू की पैदावार लहराने लगी है। ग्रामीण अंचल में इस वर्ष सरसों, गेंहू सहित अन्य फसलों की बंफर फसल होगी। किसान अपने परिवार के साथ पैदावार की सार संभाल में व्यस्त है। किसानो को इस बार सरसों, लहसुन व गेंहू की पैदावार से अच्छी आमदनी होने की उम्मीद है। रबी की फसलों के लिए सर्दी का मौसम भी अभी ठीक है। जिससे भी किसानों को लाभ मिलेगा।

महिला से जेवरात ठगे

उदयपुर, (कासं)। शहर के रानी रोड़ पर अज्ञात बदमाश महिला को क्राइम ब्रांच का बताकर महिला के जेवरात खुलवा ठगी कर ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित देबारी निवासी जमनाशंकर बछावत पुत्र जगनाथ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 27 दिसंबर को मैं, मेरी पत्नी पन्नादेवी एवं पुत्रवधु निशा बैन शिल्पग्राम जाने के लिए सूरजपोल पर खड़े थे। जहां कार लेकर आए व्यक्ति ने भी शिल्पग्राम मेले में जाने की बात कहते हुए कार में बिठाया। रास्ते फतहसागर रोड पहुंचने पर कार वाले ने कहा हम क्राईम ब्रांच से है तथा हिरणमगरी में घटना हुई है सभी से अपने आभूषण व नकदी निकलवाकर लिफाफे में रखते हुए दूसरा लिफाफा पकड़ा दिया। कुछ ही देर बाद आगे साहब के होने की बात कहते हुए लिफाफा पकड़ा कर हमें मल्लातलाई में कार से उतार कर चला गया। शिल्पग्राम मेले में जाने के बाद देखा तो लिफाफे में जेवरात नहीं थे। बदमाश ने पुलिस चैकिंग के बहाने पत्नी के हाथ से चार सोने की चुडियां खुलवा कर धोखे से हड़प ली।

जिओ नेटवर्क नहीं आने से उपभोक्ता परेशान

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय के आवासन मंडल कॉलोनी के निवासियों को जिओ कम्पनी का नेटवर्क पूरी तरह से नहीं मिलने से उपभोक्ताओं के आवश्यक काम बाधित हो रहे हैं। एक ओर सरकार हर काम डिजिटल करने पर जोर दे रहे है, वहीं जिओ कम्पनी उपभोक्ताओं को नेटवर्क भी उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। ऐसे में लोग एक-दूसरे को आवश्यक सूचना तक नहीं भेज पा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार यहां के सेक्टर तीन में तो दिन भर लोगों को घर के बाहर जाकर अपने फोन के माध्यम से जरूरी सूचना देनी पड़ती है। इसी बीच अनेक बार आवाज तक कट हो जाती है। जिससे अन्य व्यक्ति तक आदमी अपना संदेश नहीं दे पाता है। ई मेल खुलना तो दूर की बात व्हाट्सएप मेसेज तक नहीं जाते हैं। इसके चलते उपभोक्ताओं को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस विषय में जब जिओ के कर्मचारियों से शिकायत की जाती है तो वे समस्या का समाधान करने की बजाए उल्टे उपभोक्ता को घर बदलने की नसीहत देते हैं। कर्मचारी बोलते हैं कि यहां तो नेटवर्क ऐसे ही आएगा, आप लोग घर ही बदल लो।

उच्च अधिकारियों को लंबे समय से शिकायत की गई लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला है। इसके चलते उपभोक्ता जिओ के एक महीने का नेट रीचार्ज़ करवाकर ठगा सा महसूस करता है। यह समस्या करीब छह महीने से भी अधिक समय से चल रही है। मजे की बात है कि खुद जिओ के ही कर्मचारी सिम पोर्ट करने की बात पर जोर देते हैं। यहां जिओ उपभोक्ता वीरेन्द्र कुमार, राजवीर, नरेश, संदीप आदि ने बताया कि जिओ नेटवर्क के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कस्टमर केयर पर बार-बार शिकायत दर्ज करवाने के बाद भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है। लोगों ने समस्या के शीघ्र ही समाधान की मांग की है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया

उदयपुर, (कासं)। नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी व साथी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी नाथू पुत्र अमरा कालबेलिया, अमरा पुत्र भेरू, भेरू पुत्र रंगलाल कालबेलिया के खिलाफ प्रकरण्का दर्ज करवाया कि 11 सितबर को घर आए आरोपी मुझे गाडी में डाल कर अपहरण कर ले गए।

जहां से शहर के समीप एक चौराहा पर स्थित होटल में रखा वहां से मुझे जयपुर ले गया जहां मेरे साथ नाथू पुत्र अमरा ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। कुछ दिनों तक जयपुर में रहने के बाद आरोपी ने मुझे छोड़ दिया। इस पर घर लौट कर परिजनों को घटना की जानकारी देकर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक वल्लभनगर रविन्द्र प्रताप सिंह कर रहे है।

शिल्पग्राम उत्सव : बिहू, पुंगचोलम छपेली, गिद्दा ने जमाया रंग

राजस्थान का चरी व चरकुला नृत्य मनभावन रहा

उदयपुर, (कासं)। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की ओर से आयोजित दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव में नवें दिन मुक्ताकाशी रंगमंच पर 'लोक धारा' में लोक कला प्रस्तुतियों की अविरल धारा सी बही। जिसमें गुजरात से गुवाहाटी तथा उत्तराखण्ड से तेलंगाना की कलाओं का समागम देखने को मिला। इनमें असम के बिहू, मणिपुर का पुंग चोलम छपेली तथा गिद्दा ने अपना रंग जमाया। शिल्प के आंगन के इस दिवसीय उत्सव का शुक्रवार को समापन होगा।

- **मुक्ताकाशी रंगमंच पर 'लोक धारा' में लोक कला प्रस्तुतियां छाई**
- **शिल्प के आंगन के उत्सव का आज समापन होगा**

दस दिवसीय उत्सव में गुरूवार को 'लोक धारा' का आयोजन मुक्ताकाशी रंगमंच पर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गुजरात के गरबा से हुई इसके बाद तेलंगाना का माधुरी नृत्य में ढोल वादकों ने समां बांध दिया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड का छापेली नृत्य वहां की परंपराओं का वाहक नृत्य बन सका। रंगमंचीय कार्यक्रम में दर्शकों को सर्वाधिक आनन्द असम का बिहू नृत्य देख कर हुआ। फाल्गुन मास में मनाये जाने वाले बिहू पर्व में उल्लसित युवक युवतियों ने पेपा की टेर और गोगोना के साथ बिहू नृत्य का अनुपम सौन्दर्य बरसाया। पूर्वोत्तर राज्य से ही पुंग चोलम की प्रस्तुति मनोरम बन सकी। पुंग वादक कलाकारों ने एक साथ एक ताल पर सामूहिक पुंग वादन करते हुए अपनी भंगिमाओं से दर्शकों के मानयस पटल पर छाप छोड़ी।

कार्यक्रम में पंजाब की बालाओं द्वारा गिद्दा नृत्य में वैवाहिक व मांगलिक अवसरों की मस्ती को दर्शाया। जिसमें आपसी नोंक झोंक और मस्ती ने दर्शकों को रिझाया। इस अवसर पर ही पश्चिम बंगाल का नटुवा नृत्य जहां एक्रोबैटिक प्रस्तुति बन सकी वहीं हरियाणा के घूमर में घेरदार लहंगा पहनी नर्तकियों ने श्रृंगार के प्रलोभन में नृत्य किया। 'लोक धारा' में ही राजस्थान का चरी व चरकुला नृत्य मनभावन प्रस्तुति बन सकी। इस अवसर पर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सहचव अमिता प्रसाद सरभाई भी मौजूद थी। इससे पूर्व दिनभर हाट बाजार में कलात्मक वस्तुओं की खरीद का दौर चरम पर चला। रंगमंच पर केन्द्र निदेशक किरण सोनी गुप्ता व संयुक्त सचिव ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट किये।

शिल्पग्राम उत्सव में अपनी कला दिखाने आए 'मंकी मैन' के नाम से विख्यात अंतर्राष्ट्रीय कलाकार जानकीलाल की कला को लोग बड़े शौक से निहार रहे है। शिल्पग्राम के हाट बाजार में कभी गाडिया लोहार तो कभी कालबेलिया का वेश धारण किये जानकी लाल लोगों से हंसी मजाक करते नजर आते हैं। उम्र के सत्तर दशक पार करने के बाद भी इस कलाकार का कला के प्रति आज भी वहीं जज्बा है।